भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न सं0 2336

05 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

LoPN losZ{k.k&2020

2336- Jh èkuq"k ,eñ dqekj%
Jh thñ lsYoe%
MkWñ veksy jkeflag dksYgs%
Jh Jhfuokl nknklkgsc ikVhy%
MkWñ lqHkk"k jkejko Hkkejs%
Jherh lqfiz;k lnkuan lqys%
Jh xkSre flxkef.k iksu%
Jh chñ ef.kDde VSxksj%
Jh Mhñ,uñohñ lsafFkydqekj ,lñ%
Jh dqynhi jk; 'kekZ%
Jh lquhy nÙkk=s; rVdjs%

D;k **vkoklu vkSj 'kgjh dk;**Z ea=h ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%

¼d½ D;k ljdkj us gky gh esa LoPN losZ{k.k&2020 dk vk;kstu fd;k gS vkSj ;fn gka]rks blds y{; vkSj eq[; fo'ks"krkvksa lfgr rRlacaèkh C;kSjk D;k gS(

¼[k½ losZ{k.k ds rgr doj fd, x, 'kgjksa dh jkT;&okj@la?k jkT; {ks=&okj la[;k fdruh gS vkSj ;g losZ{k.k fdrus fnuksa rd lapkfyr fd;k x;k(

¼x½ D;k ljdkj us blls MsVk laxzg dh dksbZ izfofèk r; dh gS vkSj ;fn gka] rks rRlacaèkh C;kSjk D;k gS vkSj losZ{k.k dk ifj.kke dc rd ?kksf"kr gksus dh laHkkouk gS(

¼?k½ iwoZ esa fd, x, LoPN losZ{k.k ls izkIr miyfCè;ksa dk C;kSjk D;k gS(

¼³½ D;k ljdkj dh ,d= fd, x, vkadM+ksa ds vkèkj ij LoPN losZ{k.k ds izHkko dk vkadyu djus dh ;kstuk gS vkSj ;fn gka] rks rRlacaèkh C;kSjk D;k gS(vkSj

¼p½ LoPN losZ{k.k dks lQy cukus ds fy, vkSj LoPN 'kgjksa ds fy, lekt ds lHkh oxks± ds chp tkx:drk iSnk djus ds fy, vU; D;k dne mBk, x,@mBk;s tk jgs gSa\

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख): जी हां । सरकार ने 1 अप्रैल 2019 से 31 जनवरी 2020 तक स्वच्छ सर्वेक्षण, 2020 का आयोजन किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 के उद्देश्यों में विभिन्न स्वच्छता मानदंडों का मूल्यांकन और शहरों की रैंकिंग तथा उच्च स्तरीय स्वच्छता हासिल करने के लिए शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माहौल को प्रोत्साहित करना शामिल है।

2020 के इस सर्वेक्षण की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

(i) निरंतर सुधार जारी रखने के लिए शहरों का त्रैमासिक मूल्यांकन,

(ii) अभिलेखों और साक्ष्यों का 100 प्रतिशत डिजीटलीकरण,

(iii) नागरिकों से रिकॉर्ड 1.9 करोड़ फीडबैक प्राप्त हुए,

(iv) नागरिकों की बढ़-चढ़कर भागीदारी,

(v) पृथक संसूचकों के अंतर्गत 97 गंगा कस्बों का मूल्यांकन किया गया।

(ग): स्वच्छ सर्वेक्षण में शहरों के मूल्यांकन के लिए त्रि-आयामी दृष्टिकोण को अपनाया गया है,

(i) सेवा स्तरीय प्रगति, इसमें किए गए कार्य के दस्तावेजी साक्ष्य की प्रस्तुति शामिल है,

(ii) शहरों के भीतर नमूने वाली जगहों पर मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा सीधे देख-रेख; और

(iii) शहर के स्वच्छता स्तरों पर नागरिक फीडबैक।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 का परिणाम अभी तक घोषित नहीं किया गया है।

(घ): पूर्ववर्ती स्वच्छ सर्वेक्षण के उपलब्धियों में ओडीएफ बनने के लिए शहरों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन, ठोस अपशिष्ट के 100% घर-घर से संग्रहण में वार्डों की प्रतिशतता में वृद्धि, ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण में बढ़ोत्तरी, शहरी स्थानीय निकायों द्वारा सेवा सुपुर्दगी में सुधार और जनता की शिकायतों का समाधान, स्वच्छ वातावरण और स्वच्छता के बारे में जन जागरूकता में बढ़ोत्तरी, इत्यादि शामिल हैं। इस प्रकार शहरी शासन में अनूठे कार्यक्रमों के माध्यम से चुनौतियों के समाधान की अपार संभावना वाला यह स्वच्छ सर्वेक्षण परिवर्तन का पर्याय बन गया है।

(ङ): स्वच्छ सर्वेक्षण - 2020 के दौरान संग्रहीत आंकड़ों का उपयोग अधिक वैज्ञानिक और वस्तुगत रूप में स्वच्छता की कार्य योजना तैयार करने में किया जाएगा।

(च): स्वच्छ सर्वेक्षण को सफल बनाने और जनता के मध्य जागरूकता जगाने के लिए उठाए गए / उठाए जाने वाले कदमों में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान का पूर्ण डिजीटलीकरण, सभी प्रमुख हितधारकों की सहभागिता, नागरिकों की वृहद भागीदारी आदि शामिल हैं।